Chandra Shekhar yadav. 64th BPSC GS(M) 2022

प्रश्नों की संख्या दीजिए

Candidate must not write on margin

प्रश्न: कृषि विपणन व्यवस्थाओं की विशेषताओं और दोषों को बताइए। कृषि विपणन व्यवस्था में सुधार के लिए बिहार सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को समझाइए।

उत्तर :- कृषि विपणन से तात्पर्य उन व्यापक क्रियाओं से है, जिनका संबंध कृषि उत्पादों को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुँचाने से है। भारत एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है, और कृषि संबंधित गतिविधियाँ देश के अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

है करते

V. good Introduction

विपणन बाजार व्यवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है क्योंकि उसमें किसानों और उपभोक्ताओं के साथ-साथ मध्यस्थों एवं सरकार के हित भी शामिल होते हैं। सुगम एवं सुचारु विपणन से सभी हितधारकों को अधिकतम लाभ मिलती है। एक अच्छी कृषि विपणन की विशेषताएँ होती है :-

CERTIFIED
Chief Editor
Bihar Naman Publishing House
New Delhi

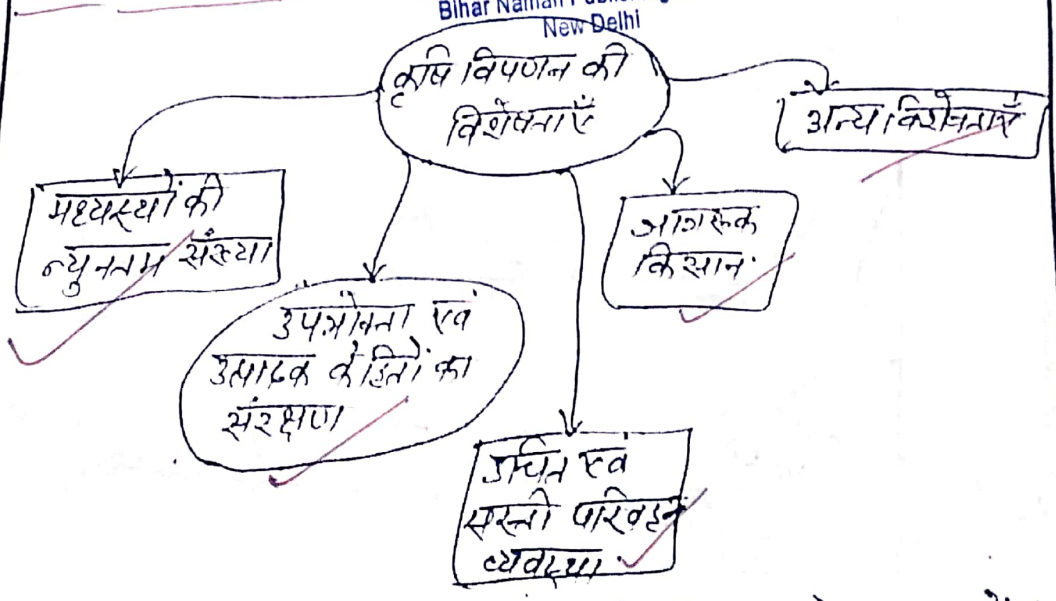

मध्यस्थों की न्युनतम संख्या :- कृषि विपणन में मध्यस्थों की संख्या जितनी न्युनतम होती है, उत्पादक और उपभोक्ता का लाभ उतना ही अधिकतम होता है।

प्रश्नों की संख्या दीजिए

3. उपभोक्ता और उत्पादक के हितों का संरक्षण :- एक अच्छे विपणन में ये आवश्यक होता है कि उत्पादक को उसकी उचित कीमत मिले और उपभोक्ता को न्यूनतम कीमत पर वस्तु प्राप्त हो।

उचित एवं सस्ती परिवहन व्यवस्था :- उचित एवं सस्ती परिवहन व्यवस्था से कृषकों को अपना उत्पादित वस्तु बाजार तक पहुँचाने में सहूलियत होती है, तथा उन्हें उचित कीमत प्राप्त होती है।

जागरूक किसान और उपभोक्ता :- जागरूक किसान और उपभोक्ता अधिक मध्यस्थों के चक्कर में नहीं फँसते हैं, तथा उन्हें अधिकतम लाभ प्राप्त होने की संभावना रहती है।

अन्य विशेषताएँ :- एक अच्छे विपणन व्यवस्था में और भी कई विशेषताएँ होती हैं, जैसे - किसानों के लिए उत्पादन संग्रहण की उचित व्यवस्था, बाजार भाव के प्रसारण का सशक्त माध्यम इत्यादि।

CERTIFIED
Chief Editor
Bharat Naman Publishing House
New Delhi

भारत/बिहार के कृषि विपणन की कई समस्याएं हैं, जो उसके अच्छे विपणन व्यवस्था में बाधक हैं :-

(i) दोषपूर्ण संग्रहण व्यवस्था :- बिहार के विपणन व्यवस्था की महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक यहाँ की दोषपूर्ण संग्रहण व्यवस्था है। भंडार गृह के अभाव में किसानों को अपना उत्पाद जल्दी बेचना पड़ता है।

(ii) भौगोलिक प्रमाणीकरण का अभाव :- भौगोलिक प्रमाणीकरण के अभाव में उत्पादों की सूचना उपभोक्ताओं तक नहीं पहुँच पाती है, जिससे उत्पादकों को औने-पौने दाम पर मध्यस्थों को बेचना पड़ता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्नों की संख्या दीजिए

Candidate must not write on margin

परिवहन व्यवस्था की समस्या :- परिवहन के उचित साधन के नहीं होने से उत्पादकों को बाजार तक ससमय एवं सस्ता पहुँच उपलब्ध नहीं हो पाता है। जिससे उन्हें अपने उत्पाद खराब होने के डर से स्थानीय उपभोक्ताओं या मध्यस्थों को कम दाम पर बेचना पड़ता है।

मध्यस्थों की अधिक संख्या :- मध्यस्थों की अधिक संख्या तथा मण्डियों में कपट के कारण विपणन के आरंभिक कीमत और अंतिम कीमत में काफी अंतर हो जाता है। उत्पादक के साथ-साथ उपभोक्ता भी इससे प्रभावित होते हैं।

इन सबके अलावे मूल्य जानकारी का अभाव, विपणन हेतु वित्त का अभाव, विवशतापूर्ण बिक्री आदि बिहार की विपणन समस्याएँ हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए बिहार सरकार कई प्रकार की योजनाओं एवं उपायों का शुभारंभ किया है। जिसे निम्न स्तरों पर देखा जा सकता है।

Chief Editor
Bihar Naman Publishing House
New Delhi

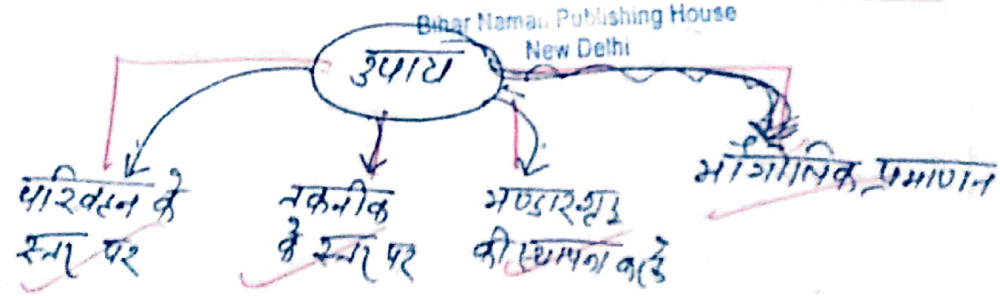

परिवहन के स्तर :- कृषि विपणन की समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार उचित एवं सस्ता परिवहन व्यवस्था पर जोर दे रही है। इस क्रम में प्रधानमंत्री सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना, ब्लॉक सड़कें आदि के माध्यम से गाँवों को मुख्य सड़कें (यथा- राष्ट्रीय उच्च पथ, राज्य पथ) तक पहुँच प्रदान की जा रही है।

Scanned with CamScanner

प्रश्नों की संख्या दीजिए

Candi must write marg

तकनीक के स्तर पर :- सरकार किसानों को तकनीक यथा- रेडियो, किसान हाट, प्रखंड स्तर पर ई-किसान भवन तथा किसान चौपाल आदि के माध्यम से किसानों को जागरूक कर रही है। उत्पादों को ऑनलाइन माध्यम से बेचने के लिए ई-नाम (E-NAM) जैसी सुविधा विकसित की जा रही है।

भंडार गृह की स्थापना :- सरकार जिला एवं प्रखंड स्तर पर भंडारगृह की व्यवस्था कर रही है, जिससे किसान उत्पादों को संरक्षित रख सके, तथा मुल्य अधिक होने पर बेच सके।

भौगोलिक प्रमाणन :- सरकार उत्पादों को भौगोलिक प्रमाणन दिलवा रही है। जिससे उत्पादों की पहचान वैश्विक स्तर पर हो सके। इसी क्रम मे कई उत्पादों जैसे- मुजफ्फरपुर की लीची, मिथिला का मखान, मधुबनी पेंटिंग, भागलपुर का कतरनी चावल आदि को भौगोलिक प्रमाणन (GI) प्राप्त हुआ है। किसानों को इससे वैश्विक बाजार उपलब्ध हो रहा है और वे लाभ कमा रहे हैं। अर्जित कर

इन आधारभुत संरचनाओं के विकास से निश्चित ही कृषि विपणन को अधिक सुलभ बनाया जा सकता है। सरकार बिहार में कुल 95 बाजार समिति तथा 1800 किसान हाटों के माध्यम से विपणन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ कर रही है। सरकार को चाहिए कि किसानों वित्तीय एवं तकनीकी रूप से मजबूत कर उसे और अच्छा करें, जिससे हमारे कृषकों के साथ-साथ उपभोक्ताओं एवं अन्य हितधारकों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

Very good Answer

Chief Editor
Bihar Naman Publishing House
New Delhi

Scanned with CamScanner